समाचार पत्र

राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान

(बायोटेक्नोंलॉजी विभाग, भारत सरकार)

अंक – 12
वर्ष - 2022
(जनवरी - मार्च)

समाचार पत्र के इस अंक में -

- कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ
- सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां
- पीएच.डी. डिग्री अवार्ड
- विज्ञान संचार एवं आउटरीच

संपर्क करें:
श्री रत्नेश्वर ठाकुर (संपादक)
ई-मेल: social@nipgr.ac.in,
टेलीफ़ोन नं. 011-26735251 (एक्सटेंशन: 251)

@NIPGR
@NIPGRsocial
www.nipgr.ac.in

समाचार पत्र

राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान

कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ

व्याख्यान/ संगोष्ठी

डीबीटी-एनआईपीजीआर ने मार्च 30, 2022 को एएनबी - "न्यूट्रीओमिक्स फॉर बेटर हेल्थ" के तहत आईकनेक्ट कार्यक्रम का आयोजन किया।

हिंदी कार्यशाला

संस्थान में मार्च 24, 2022 क़ो श्री ओम प्रकाश साह, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक,रा.पा.जी.अनु.सं. द्वारा 'हिंदी टंकण, अनुवाद एवं प्रशासनिक शब्दावली' विषय पर हिंदी कार्यशाला का आय़ोजन किया गया । संस्थान के स्टाफ सदस्यों / शोधकतायओं ने उत्साहपूर्वक उक्त कार्यशाला में भाग लिया ।

व्याख्यान/ संगोष्ठी

प्रो. नीलिमा सिन्हा (कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, डेविस, यूएसए) ने मार्च 23, 2022 को एनआईपीजीआर सभागार में "परजीवी पौधों और उनके मेजबानों के बीच संवाद" पर एक व्याख्यान दिया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2022

एनआईपीजीआर ने भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष - आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाने के एक भाग के रूप में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2022 को मनाने के लिए "यूनाइटेड वी आर" पर संस्थान में मार्च 08, 2022 क़ो एक वेबिनार का आयोजन किया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

डॉ शेखर सी. मंडे, सचिव, डीएसआईआर और महानिदेशक, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) ने 28 फरवरी, 2022 को "राष्ट्रीय विज्ञान दिवस" के अवसर पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस व्याख्यान (ऑनलाइन मोड के माध्यम से) दिया ।

साइंस मेगा एक्सपो

एनआईपीजीआर ने आजादी का अमृत महोत्सव विज्ञान सर्वत्र पूज्यते साइंस मेगा एक्सपो (22-28 फरवरी 2022) के तहत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के राष्ट्रव्यापी उत्सव में अपने अनुसंधान और नवाचार का प्रदर्शन किया।

समाचार पत्र

राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान

कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ

राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस 2022

एनआईपीजीआर ने 26 जनवरी, 2022 को 73वां राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस मनाया।

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

अंकिता श्री (पीएच.डी. छात्रा) ने जेनेटिक्स सोसाइटी ऑफ अमेरिका द्वारा आयोजित 31वें फंगल जेनेटिक्स सम्मेलन में भाग लिया, जहां उन्हें 'स्पेशल मेंशन पोस्टर अवार्ड' मिला। यह सम्मेलन 15 मार्च से 20 मार्च 2022 तक असिलोमर सम्मेलन मैदान, पैसिफिक ग्रोव, कैलिफ़ोर्निया, यूएसए में आयोजित किया गया था। उनकी यात्रा आईटीएस-एसईआरबी, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित था।

डॉ. जगदीस गुप्ता कापुगंती (वैज्ञानिक) जीएम क्रॉप्स एंड फूड के संपादकीय बोर्ड में शामिल हुए। अधिक जानकारी के लिए :

https://www.tandfonline.com/action/journalInformation?show=editorialBoard&journalCode=kgmc20

पीएच. डी. डिग्री अवार्ड

1. श्री वादिवेल मुरुगन ई. (पीएच.डी. छात्र) को "अंडरस्टैंडिंग मैकेनिज्म ऑफ़ टॉलरेंस टू कंबाइंड ड्रॉट एंड पैथोजन इन्फेक्शन इन चिकपी यूजिंग ट्रांसक्रिपटोमिक एंड जीन साइलेंसिंग एप्रोच्चिज" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से मार्च 22, 2022 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ सेंथिल-कुमार मुथप्पा (वैज्ञानिक) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।
2. श्री नीलेश कुमार शर्मा (पीएच.डी. छात्र) को "रोल ऑफ़ माइक्रो आरएनएएस इन एबायोटिक स्ट्रेस टॉलरेन्स इन चिकपी" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से मार्च 17, 2022 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ देबाशीष चट्टोपाध्याय (वैज्ञानिक) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।
3. सुश्री आंचल चौधरी (पीएच.डी. छात्रा) को "एलुसिडेशन ऑफ़ मॉलिक्यूलर बेसिस ऑफ़ टेलरड अडाप्टेशन स्ट्रेटेजीज एम्प्लॉयड बाई अरबिडोप्सिस थालिआना अगेंस्ट कंबाइंड ड्रौघ्ट एंड बैक्टीरियल पैथोजन स्ट्रेस" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से फ़रवरी 14, 2022 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ सेंथिल-कुमार मुथप्पा (वैज्ञानिक) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।
4. सुश्री धृति सिंह (पीएच.डी. छात्रा) को "टू स्टडी द रोल ऑफ़ ग्लूकोस सिग्नलिंग इन द रेगुलेशन ऑफ़ डिहाइड्रेशन रेस्पोन्सेस इन प्लांट्स" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से जनवरी 24, 2022 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ ऐश्वर्या लक्ष्मी (वैज्ञानिक) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।
5. श्री येश्वीर सिंह (पीएच.डी. छात्र) को "स्ट्रक्चरल एंड फंक्शनल इंट्रीकेसिस ऑफ़ विरुलेंस एंड पथोजेनेसिस दिटरमिनान्ट्स ऑफ़ नेक्रोट्रोफिक फंगल फ्य्तोपथोजेन्स" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से जनवरी 06, 2022 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ प्रवीण वर्मा (ओन लियन) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।

समाचार पत्र

राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान

विज्ञान संचार एवं आउटरीच

विज्ञान सेतु वेबिनार

स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है, इस अवसर पर डीबीटी-एनआईपीजीआर द्वारा विज्ञान सेतु वेबिनार श्रृंखला 2021-22 का आयोजन किया। इसके तहत वैज्ञानिकों ने जनवरी 2022 से मार्च 2022 के दौरान निम्नलिखित व्याख्यान दिया।

1. डॉ. सभ्यता भाटिया (वैज्ञानिक) ने 4 मार्च, 2022 को "मॉलिक्यूलर मार्कर्स एज टूल्स फॉर जीनोम एनालिसिस" पर एक व्याख्यान दिया।
2. डॉ. विनीत गौर (डीबीटी-रामलिंगस्वामी फेलो) ने 11 फरवरी, 2022 को " एक्सप्लोरिंग द बायोलॉजिकल वर्ल्ड एट एटॉमिक लेवल डिटेल " पर एक व्याख्यान दिया।
3. डॉ. अमर पाल सिंह (वैज्ञानिक) ने जनवरी 28, 2022 को “रूट्स ऑफ़ प्लांट लाइफ : मैकेनिज्म ऑफ़ रुट अडॉप्टेशन टु नुट्रिएंट डेफिसिएन्सिस” पर एक व्याख्यान दिया।
4. डॉ. देबासिस चट्टोपाध्याय (वैज्ञानिक) ने जनवरी 14, 2022 को " यूज़ ऑफ़ डीएनए सिक्वेंसिंग इन पब्लिक लाइफ " पर एक व्याख्यान दिया ।

वर्चुअल एजुकेशनल टूर

1. मार्च 16, 2022 को शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर विमेन (दिल्ली विश्वविद्यालय) के बीएससी (एच) माइक्रोबायोलॉजी के छात्रों को श्री रत्नेश्वर ठाकुर, तकनीकी अधिकारी (विज्ञान संचार) द्वारा वर्चुअल एजुकेशनल टूर प्रदान किया गया। आभासी शैक्षिक दौरे में एनआईपीजीआर के शैक्षणिक कार्यक्रमों, अनुसंधान सुविधाओं, प्रमुख अनुसंधान क्षेत्रों और एनआईपीजीआर समुदाय की अन्य उपलब्धियों के बारे में रिकोडेड वीडियो प्रस्तुति और एक इंटरैक्टिव व्याख्यान शामिल थी।
2. मार्च 03, 2022 को सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ के बी.टेक (बायोटेक्नोलॉजी) के छात्रों को श्री रत्नेश्वर ठाकुर, तकनीकी अधिकारी (विज्ञान संचार) द्वारा वर्चुअल एजुकेशनल टूर प्रदान किया गया। आभासी शैक्षिक दौरे में एनआईपीजीआर के शैक्षणिक कार्यक्रमों, अनुसंधान सुविधाओं, प्रमुख अनुसंधान क्षेत्रों और एनआईपीजीआर समुदाय की अन्य उपलब्धियों के बारे में रिकोडेड वीडियो प्रस्तुति और एक इंटरैक्टिव व्याख्यान शामिल थी।